BA Part II (H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

ग्रामीण समुदाय (Rural Community) → भारतीय समाज

को अर्थ सामाजिक एवं सांस्कृतिक आधार पर दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। नगरीय समुदाय एवं ग्रामीण समुदाय। भारतीय समाज की संरचना गाँवों के संरचना के आधार पर समझा जा सकता है। भारतीय समाज को समझने के लिए नगरीय एवं ग्रामीण दोनों समुदाय को समझना आवश्यक है। रेडफील्ड ने मानव समुदाय को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है (a) लघु समुदाय (b) कृषक समुदाय तथा (c) वृहत् समुदाय।

ग्रामीण समुदाय वे होते हैं जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि है प्रकृति के अधिक निकट होते हैं, नातेदारी और भिन्नता के पवित्र बन्धन मानते हैं और परम्परा समानमत और अनौपचारिकता पर बल देते हैं। गाँवों में जनसंख्या घनत्व कम होता है यह न केवल उत्पादन और वितरण को प्रभावित करते हैं बल्कि सम्पूर्ण समुदाय के जीवन को प्रभावित करते हैं। ग्रामीण समुदाय की

जनसंख्या साधारणतया पाँच हजार से कम होता है। मैकाइवर के अनुसार ग्रामीण समुदाय जीवन की एक विशेष विधि है जिस समुदाय में अधिकांश व्यक्ति खेती या उससे जुड़े हुए व्यवसाय के द्वारा आजीविका अर्जित करते हैं और प्राथमिक व परम्परागत सम्बन्धों से बंधे हुए होते हैं उसे ग्रामीण समुदाय कहा जाता है।

मैरिल तथा एल्ड्रिज के अनुसार," ग्रामीण समुदाय एक ऐसा समुदाय है जिसमें सभी लोग एक होते से केन्द्र के चारों ओर संगठित होते है तथा जिनके बीच सामान्य और प्राथमिक सम्बन्ध पाये जाते है।"

सिम्स के अनुसार," जिस क्षेत्र में एक समुदाय के लोगों की लगभग सभी आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाती है, उसी समुदाय को गाँव अथवा ग्रामीण समुदाय कहा जाता है।

अतः स्पष्ट है ग्रामीण समुदाय का जीवन स्तर खेती एवं परम्परागत संस्कृति पर आधारित होता है। उनका जीवन सरल नातेदारी व्यवस्था से सम्पूर्ण रूप से बंधा रहता है।